

फूली फुलवाड़ी ( ४८ )

फूल बंगले की शोभ्या प्यारी  
जंहि में वेठा श्रीयुगल विहारी  
प्यारी आ, प्यारी आ ....  
श्यामा श्याम श्यामा श्याम ....

शोभ्या दिसूं था दरस पसूं था  
चई जै जै युगल जी हसूं था  
गाये गुनड़ा वजायूं ताड़ी ....॥१॥

आनन्द आयो आ रसिड़ो छायों आ  
मिली सहेलियुनि युगल जसु गायों आ  
अ.जु गुलनि जी फूली फुलवाड़ी ....॥२॥

सिक सां अचो अचो नींह सां नचो नचो  
प्रिया प्रीतम जे रस रंग रचो रचो  
थी हर हंधि हर्ष हुबकारी ....॥३॥

बृज धाम आ श्यामा श्याम आ  
जिनको दर्शनु अखियुनि आराम आ  
साई साहिब मिठे जी बलहारी ....॥४॥